

ना कर मान बंदेया एक दिन मिट्टी में मिल जाना लिरिक्स



ना कर मान बंदेया,
एक दिन [मिट्टी में](#) मिल जाना।bd।

मिट्टी बिछा ले मिट्टी ओढ़ ले,
मिट्टी का बना ले सिरहाना,
एक दिन ऐसा आएगा,
तू मिट्टी में मिल जाना,
ना कर मान बंदेया,
एक दिन मिट्टी में मिल जाना।bd।

लकड़ी केंदी सुन ओ बंदेया,
मोल मान न मेरा जाना,
एक दिन ऐसा आएगा,
मैंने तुझे जलाना,
ना कर मान बंदेया,
एक दिन मिट्टी में मिल जाना।bd।

मिट्टी केन्दी सुन ओ बन्देया,
मोल न मेरा जाना,
एक दिन ऐसा आएगा,
तूने मिट्टी में जल जाना,
ना कर मान बंदेया,
एक दिन मिट्टी में मिल जाना।bd।

कपड़ा केंदा सुन ओ बन्देया,
मोल न मेरा जाना,
एक दिन ऐसा आएगा,
तूने कफन है मेरा पाणा,
ना कर मान बंदेया,
एक दिन मिट्टी में मिल जाना।bd।



एक दिन मिट्टी में मिल जाना।bd।

गायक / प्रेषक – विजय शास्त्री जी ।
904112255
